MASTER OF ARTS (RURAL DEVELOPMENT)

Term-End Examination
June, 2014

MRDE-003 : LAND REFORMS AND RURAL DEVELOPMENT

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Attempt all the **five** questions. All questions carry equal marks. Answer to question no. 1 and 2 should not exceed **800 words** each.*

1. Define land reforms. Discuss different approaches used to study land reforms. **20**

OR

Examine the impact of colonialism on land tenure system in India.

2. Describe the important aspects of Bhoodan and Gramdan Movements. **20**

OR

Discuss the salient features of land reforms experience in Bangladesh.

3. Answer any two of the following questions in about 400 words each :

(a) Explain the main features of agrarian society in Pre-British India. **10**

(b) What are the objectives of Land for Tillers Freedom (LAFTI) Tamil Nadu? Describe the activities undertaken by LAFTI in the context of land reforms. **10**

(c) Describe the land revenue collection system in Mughal India. **10**

4. Attempt *any four* of the following in about *200 words* each :

(a) Pabna Movement **5**

(b) Land tenure system during Gupta period. **5**

(c) Bhu-Adhikar Abhiyan - A case study of Ekta Parishad in Madhya Pradesh. **5**

(d) Differences between social movements and peasant movements. **5**

(e) Comprehensive Agrarian Reform Programme (CARP). **5**

(f) Computerisation of land records. **5**

5. Write short notes an ***any five*** of the following in about ***100 words*** each :

(a) Pattern of Operational Holdings. 4

(b) Peasant Movement in Avadh. 4

(c) Sanyasi Revolt. 4

(d) Ownership Rights to Tenants. 4

(e) Zamindari System. 4

(f) Accelerated Mahaweli Development Project. 4

(g) National Resettlement and Rehabilitation Policy - 2003. 4

(h) Permanent Settlement. 4

एम. ए. (ग्राम विकास)

सत्रांत परीक्षा
जून, 2014

एम.आर.डी.ई.–003 : भूमि सुधार और ग्राम विकास

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

*नोट : सभी **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। प्रश्न सं. 1 **और** 2 के उत्तर (प्रत्येक) **800 शब्दों** से अधिक नहीं होने चाहिए।*

1. भूमि–सुधार को परिभाषित कीजिए। भूमि सुधार अध्ययन में इस्तेमाल किए जाने वाले विभिन्न दृष्टिकोणों की चर्चा कीजिए। **20**

अथवा

भारत में भूधृति प्रणालियों पर उपनिवेशवाद के प्रभाव का विवेचन कीजिए।

2. भूदान और ग्राम–दान आंदोलन के महत्वपूर्ण पक्षों का वर्णन कीजिए। **20**

अथवा

बांग्लादेश में भूमि सुधार अनुभव की प्रमुख विशेषताओं की चर्चा कीजिए।

3. निम्नलिखित में से ***किन्हीं दो*** प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग 400 शब्दों में) दीजिए :

(क) ब्रिटिश–पूर्व भारत में कृषिक समाज की प्रमुख विशेषताओं की व्याख्या कीजिए। **10**

(ख) लैंड फॉर टिलर्स फ्रीडम (लैफ्टी) तमिलनाडु के उद्देश्य क्या हैं? भूमि–सुधारों के संदर्भ में लैफ्टी द्वारा किए गए कार्यकलापों का वर्णन कीजिए। **10**

(ग) मुगलकालीन भारत में राजस्व संग्रहण व्यवस्था का वर्णन कीजिए। **10**

4. निम्नलिखित में से ***किन्ही चार*** के उत्तर (प्रत्येक लगभग ***200 शब्दों*** में) दीजिए :

(क) पाबना आंदोलन **5**

(ख) गुप्तकाल में भूधृति/पट्टेदारी प्रणाली **5**

(ग) मध्य प्रदेश में भू–अधिकार अभियान – एकता परिषद का तथ्याध्ययन **5**

(घ) सामाजिक आंदोलनो और किसान आंदोलनों में अंतर **5**

(च) व्यापक कृषि सुधार कार्यक्रम (सी.ए.आर.पी.) **5**

(छ) भू–अभिलेखो का कंप्यूटरीकरण **5**

5. निम्नलिखित में से ***किन्हीं पाँच*** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ (प्रत्येक लगभग *100* ***शब्दों*** में) लिखिए

(क) संक्रियात्मक जोतों का स्वरूप **4**

(ख) अवध का किसान आंदोलन **4**

(ग) संन्यासी विद्रोह **4**

(घ) काश्तकारों को स्वामित्व अधिकार **4**

(च) जमींदारी व्यवस्था **4**

(छ) त्वरित महावेली विकास परियोजना **4**

(ज) राष्ट्रीय पुनर्व्यवस्थापन और पुनर्वास नीति, 2003 **4**

(झ) स्थायी बंदोबस्त **4**

—— *** ——